

सब्जी उत्पादन तकनीक पर किसानों को दी ट्रेनिंग, खेती की नई तकनीकी के बारे में जानकारी दी

दैनिक सार सागर जिला संवाददाता
राजप्रताप सिंह

कानपुर देहात/चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित दिलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा सब्जी उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण का आयोजन ग्राम औरंगाबाद विकासखंड मैथा में किया गया। डॉ अरुण कुमार सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों को कृषि वागवानी, सब्जी उत्पादन, पशुपालन, मत्स्य पालन, मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन आदि क्षेत्रों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक और मानव निर्मित संसाधनों के निरन्तर प्रबन्धन के साथ कृषि उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि करने वाली जलवायु अनुकूल कृषि प्रौद्योगिकियों के माध्यम से बेरोजगार



कृषि आधारित स्वरोजगार से जोड़कर पारिवारिक आय में वृद्धि कर सकते हैं। खरीफ के मौसम में उत्पादित की जाने वाली सब्जियों भिण्डी, मिर्चा,

लौकी, तरोई, लोविया, धनिया, सहजन आदि की खेती करने का प्रशिक्षण प्राप्त कर किसान और बेरोजगार इसे अपनाकर अतिरिक्त आय के साथ रोजगार भी पा सकते। प्रसार वैज्ञानिक डॉ राजेश राय ने हरा चारा उत्पादन हेतु लोविया एवं बाजरा की खेती करने पर जोर दिया। डॉ राय ने सब्जियों में लगने वाले प्रमुख रोगों एवं कीटों से बचाव के लिए नीम तेल 10 मिली./ली0 पानी की दर से 10 दिन के अन्तराल पर छिड़काव करने का सुझाव दिया। सब्जियों भिण्डी, लोविया, तरोई, लौकी, कड़ू, करेला आदि की खेती की नवीनतम तकनीकों, खरीफ में दलहनी फसल मूंग, उर्द की खेती के बारे में जानकारी दी। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रगतिशील किसान चरण सिंह यादव, अशोक राजपूत, सिपाहीलाल एवं महासिंह आदि ने प्रतिभाग किया।

सब्जी उत्पादन तकनीक पर किसानों को दी ट्रेनिंग, खेती की नई तकनीकी के बारे में जानकारी दी

दैनिक सार सागर जिला संवाददाता
राजप्रताप सिंह

कानपुर देहात/चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित दिलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा सब्जी उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण का आयोजन ग्राम औरंगाबाद विकासखंड मैथा में किया गया। डॉ अरुण कुमार सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों को कृषि वागवानी, सब्जी उत्पादन, पशुपालन, मत्स्य पालन, मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन आदि क्षेत्रों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक और मानव निर्मित संसाधनों के निरन्तर प्रबन्धन के साथ कृषि उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि करने वाली जलवायु अनुकूल कृषि प्रौद्योगिकियों के माध्यम से बेरोजगार



कृषि आधारित स्वरोजगार से जोड़कर पारिवारिक आय में वृद्धि कर सकते हैं। खरीफ के मौसम में उत्पादित की जाने वाली सब्जियों भिण्डी, मिर्चा,

लौकी, तरोई, लोविया, धनिया, सहजन आदि की खेती करने का प्रशिक्षण प्राप्त कर किसान और बेरोजगार इसे अपनाकर अतिरिक्त आय के साथ रोजगार भी पा सकते। प्रसार वैज्ञानिक डॉ राजेश राय ने हरा चारा उत्पादन हेतु लोविया एवं बाजरा की खेती करने पर जोर दिया। डॉ राय ने सब्जियों में लगने वाले प्रमुख रोगों एवं कीटों से बचाव के लिए नीम तेल 10 मिली./ली0 पानी की दर से 10 दिन के अन्तराल पर छिड़काव करने का सुझाव दिया। सब्जियों भिण्डी, लोविया, तरोई, लौकी, कड़ू, करेला आदि की खेती की नवीनतम तकनीकों, खरीफ में दलहनी फसल मूंग, उर्द की खेती के बारे में जानकारी दी। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रगतिशील किसान चरण सिंह यादव, अशोक राजपूत, सिपाहीलाल एवं महासिंह आदि ने प्रतिभाग किया।

कृषि विज्ञान केंद्र की पहल : किसानों को सिखाई आधुनिक सखी उत्पादन तकनीक, स्वरोजगार बढ़ाने पर जोर

दि ग्राम टुडे, कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र, दिल्लीनगर द्वारा विकासखंड मैया के ग्राम औरंगाबाद में किसानों के लिए सखी उत्पादन तकनीक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में किसानों को आधुनिक खेती, कृषि आधारित स्वरोजगार तथा आय बढ़ाने के नवीन उपायों की विस्तृत जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में कृषि विशेषज्ञ डॉ. अरुण कुमार सिंह ने किसानों को कृषि, वागवानी, सखी उत्पादन, पशुपालन, मत्स्य पालन, मशरूम उत्पादन तथा मधुमक्खी पालन जैसे क्षेत्रों में उपलब्ध रोजगार एवं आयकर्म की संभावनाओं से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक एवं मानव निर्मित संसाधनों के बेहतर प्रबंधन

तथा जलवायु अनुकूल कृषि तकनीकों का अपनाकर किसान अपनी उत्पादकता बढ़ाने के साथ-साथ कृषि आधारित स्वरोजगार से जुड़कर पारिवारिक आय में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकते हैं।

उन्होंने खरीफ मौसम में उगाई जाने वाली प्रमुख सब्जियों जैसे मिठी, मिर्च, लौकी, तरौं, लोबिया, धनिया एवं सहजन की उन्नत खेती संबंधी तकनीकों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इन फसलों की वैज्ञानिक पद्धति से खेती कर किसान अतिरिक्त आय अर्जित करने के साथ रोजगार के नए अवसर भी प्राप्त कर सकते हैं।

कार्यक्रम में प्रसार वैज्ञानिक डॉ. राजेश राय ने किसानों को हरे घारे के उत्पादन के लिए लोबिया एवं बाजरा की खेती अपनाने की सलाह दी। उन्होंने सखी फसलों में लगने वाले

प्रमुख रोगों एवं कीटों के नियंत्रण हेतु 10 मिलीलीटर नीम तेल प्रति लीटर पानी की दर से 10 दिन के अंतराल पर छिड़काव करने का सुझाव दिया। डॉ. राय ने किसानों को मिठी, लोबिया, तरौं, लौकी, कद्दू, करेला सहित विभिन्न सब्जियों की नवीनतम उत्पादन तकनीकों तथा खरीफ की दलहनी फसलों मूंग एवं उड़द की वैज्ञानिक खेती के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रगतिशील किसान धरम सिंह यादव, अशोक राजपूत, सिपाहीलाल एवं महासिंह सहित अनेक किसानों ने प्रतिभाग कर कृषि की आधुनिक तकनीकों की जानकारी प्राप्त की।

₹840 घण्टा, 30/5/2026, बंका श्रमदानरू विकसित भारत 2047 के लिए एआई और क्रिटिकल थिंकिंग जरूरी डॉ. एन.के. शर्मा

दि ग्राम टुडे, कानपुर/इटावा। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता के निर्देशन में कृषि बुद्धिमत्ता (IF) के प्रचार-प्रसार एवं जनजागरूकता को लेकर चलाए जा रहे अभियान के तहत कृषि अभियंत्रण संकाय, इटावा के पूर्व अधिष्ठाता एवं कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष डॉ. एन.के. शर्मा ने पुलिस भौंडन स्कूल, इटावा में शिक्षकों को एआई तकनीक और आलोचनात्मक चिंतन (स्वयंपूर्णता) पर विशेष व्याख्यान दिया। सीबीएसई सिटी कोऑर्डिनेटर डॉ. कैलाश यादव के आमंत्रण पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए डॉ. शर्मा ने क्रिटिकल थिंकिंग इन एआई टेक्नोलॉजी विषय

पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि कृषि बुद्धिमत्ता के इस लेजी से विकसित होते दौर में शिक्षकों की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

उन्होंने कहा कि एआई के माध्यम से प्राप्त होने वाली किसी भी जानकारी को बिना परखे स्वीकार नहीं करना चाहिए, बल्कि उसकी सत्यता, प्रासंगिकता और उपयोगिता का मूल्यांकन स्वयं करना आवश्यक है। यदि शिक्षकों में आलोचनात्मक चिंतन की क्षमता विकसित होगी, तभी वे विद्यार्थियों को एआई के सकारात्मक और जिम्मेदार उपयोग के लिए प्रेरित कर सकेंगे।

अपने प्रस्तुतीकरण के दौरान डॉ. शर्मा ने बताया कि आलोचनात्मक चिंतन और कृषि बुद्धिमत्ता आधुनिक समाज के दो महत्वपूर्ण स्तंभ हैं, जो नवाचार,

प्रगति और बेहतर निर्णय क्षमता को मजबूत बनाते हैं। उन्होंने कहा कि तकनीक के साथ-साथ स्रोतों और समझने की क्षमता का विकास भी उतना ही आवश्यक है।

कार्यक्रम के दौरान उन्होंने एआई से जुड़ी संभावनाओं, चुनौतियों और उनके समाधान पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही कहा कि विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए तकनीक को अपनाना और समय के साथ स्वयं को बदलना अत्यंत आवश्यक है।

व्याख्यान के अंत में शिक्षकों ने एआई के विभिन्न पहलुओं पर अपने प्रश्न रखे, जिनका डॉ. शर्मा ने विस्तारपूर्वक उत्तर दिया। कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकों ने एआई और क्रिटिकल थिंकिंग विषय पर प्राप्त जानकारी को उपयोगी एवं प्रेरणादायक बताया।

जा
अ
पीली
प्रति
पंचाय
बंदर
एवं
आयो
कल्प
विभा
वाल
सुमंग
पेशन
य स
जान
हेल्थ
एवं
जान
लोगों
की
लगा
कन्या
आय
कार्य
और
महिल
रहे।

अमर उजाला 31/05/2026

सब्जी उत्पादन की नई तकनीक बताई

कानपुर। दिलीपनगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र की ओर से विकासखंड मैथा के औरंगाबाद गांव में शनिवार को किसानों को सब्जी उत्पादन तकनीक का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में डॉ. अरुण कुमार सिंह ने किसानों को सब्जी उत्पादन, पशुपालन, मत्स्य पालन, मशरूम व मधुमक्खी पालन से जुड़ी जानकारी दी और जलवायु अनुकूल कृषि तकनीकों को अपनाकर आय बढ़ाने पर जोर दिया। प्रसार वैज्ञानिक डॉ. राजेश राय ने खरीफ मौसम की सब्जियों एवं दलहनी फसलों की उन्नत खेती की जानकारी देते हुए रोग व कीट नियंत्रण के लिए नीम तेल के छिड़काव की सलाह दी। प्रशिक्षण में कई प्रगतिशील किसानों ने हिस्सा लिया। (संवाद)

‘विकसित भारत 2047’ के लिए एआई और क्रिटिकल थिंकिंग जरूरी : डॉ. एन.के. शर्मा

दि ग्राम टुडे, कानपुर/इटावा। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता के निर्देशन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के प्रचार-प्रसार एवं जनजागरूकता को लेकर चलाए जा रहे अभियान के तहत कृषि अभियंत्रण संकाय, इटावा के पूर्व अधिष्ठाता एवं कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष डॉ. एन.के. शर्मा ने पुलिस मॉडर्न स्कूल, इटावा में शिक्षकों को एआई तकनीक और आलोचनात्मक चिंतन (बतपजपबंस जेपदापदह) पर विशेष व्याख्यान दिया। सीबीएसई सिटी कोऑर्डिनेटर डॉ. कैलाश यादव के आमंत्रण पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए डॉ. शर्मा ने ‘क्रिटिकल थिंकिंग इन एआई टेक्नोलॉजी’ विषय पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस तेजी से विकसित होते दौर में शिक्षकों की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो



गई है। उन्होंने कहा कि एआई के माध्यम से प्राप्त होने वाली किसी भी जानकारी को बिना परखे स्वीकार नहीं करना चाहिए, बल्कि उसकी सत्यता, प्रासंगिकता और उपयोगिता का

मूल्यांकन स्वयं करना आवश्यक है। यदि शिक्षकों में आलोचनात्मक चिंतन की क्षमता विकसित होगी, तभी वे विद्यार्थियों को एआई के सकारात्मक और जिम्मेदार उपयोग के लिए प्रेरित कर सकेंगे।

अपने प्रस्तुतीकरण के दौरान डॉ. शर्मा ने बताया कि आलोचनात्मक चिंतन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधुनिक समाज के दो महत्वपूर्ण स्तंभ हैं, जो नवाचार, प्रगति और बेहतर निर्णय क्षमता को मजबूत बनाते हैं। उन्होंने कहा कि तकनीक के साथ-साथ सोचने और समझने की क्षमता का विकास भी उतना ही आवश्यक है। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने एआई से जुड़ी संभावनाओं, चुनौतियों और उनके समाधान पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही कहा कि ‘विकसित भारत 2047’ के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए तकनीक को अपनाना और समय के साथ स्वयं को बदलना अत्यंत आवश्यक है। व्याख्यान के अंत में शिक्षकों ने एआई के विभिन्न पहलुओं पर अपने प्रश्न रखे, जिनका डॉ. शर्मा ने विस्तारपूर्वक उत्तर दिया। कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकों ने एआई और क्रिटिकल थिंकिंग विषय पर प्राप्त जानकारी को उपयोगी एवं प्रेरणादायक बताया।

आ
सम
और
को
विश
स्वि
सौं
आ
लि
पर्स
राज
में
के
फु
हो
दा
भी
से
को
धूप
शा
से
एस
सन्
के
इस्
ध्या



विकसित भारत @ 2047 के लिए AI और क्रिटिकल थिंकिंग दोनों ज़रूरी: डॉ. एन.के.शर्मा

अवधनामा ब्यूरो

इटावा। चंद्र शेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय, कानपुर के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता के निर्देशन में चलाए जा रहे कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) जागरूकता अभियान के तहत, पुलिस मॉडर्न स्कूल में एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। सीबीएसई सिटी कोऑर्डिनेटर डॉ. कैलाश यादव के आमंत्रण पर मुख्य वक्ता के रूप में पहुंचे कंप्यूटर साइंस विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एन.के.शर्मा ने शिक्षकों को क्रिटिकल थिंकिंग इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विषय पर



संबोधित किया। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि AI और क्रिटिकल थिंकिंग आधुनिक समाज के दो मुख्य स्तंभ हैं, जो देश के विकास, नवाचार और बेहतर निर्णय

लेने के लिए बेहद जरूरी हैं। डॉ.शर्मा ने शिक्षकों से आग्रह किया कि वे AI द्वारा दी गई सूचनाओं की सत्यता और उपयोगिता का मूल्यांकन स्वयं करें, क्योंकि जब शिक्षक स्वयं इस क्षमता से सक्षम होंगे, तभी वे छात्रों को तकनीक का सही उपयोग सिखा पाएंगे। अंत में, AI की चुनौतियों पर चर्चा करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि तकनीक को अपनाए बिना 'विकसित भारत 2047' की कल्पना अधूरी है, इसलिए समय के साथ खुद को बदलना और तकनीक को सीखना अब हम सभी के लिए अनिवार्य हो चुका है।

लोक जनसंदेश

वर्ष: 11

अंक: 354

पृष्ठ: 08

कानपुर महानगर, रविवार, 31 मई 2026

मूल्य : रु 2.00

एआई के प्रचार-प्रसार में कृषि विश्वविद्यालय की भूमिका

संवाददाता

कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के कुलपति डॉक्टर संजीव गुप्ता के निर्देशन में कृषि अभियंत्रण संकाय, इटावा के पूर्व अधिष्ठाता एवं कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष डॉक्टर एन. के. शर्मा द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रति एक वृहद जागरूकता अभियान के तहत इटावा के सीबीएसई सिटी कोऑर्डिनेटर डॉक्टर कैलाश यादव के निमंत्रण पर डॉक्टर शर्मा मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में पुलिस मॉडर्न स्कूल पहुंचे। उन्होंने स्कूल के शिक्षकों को 'क्रिटिकल थिंकिंग इन एआई टेक्नोलॉजी' ए आई तकनीक में आलोचनात्मक चिंतन विषय पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। अपने संबोधन में डॉ. शर्मा ने शिक्षकों को एआई के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया। उन्होंने 'आलोचनात्मक चिंतन' के महत्व पर जोर देते हुए कहा: शिक्षकों को AI के माध्यम



से प्राप्त होने वाली किसी भी सूचना की सत्यता और उपयोगिता का मूल्यांकन स्वयं करना चाहिए। यदि हमारे शिक्षकों में क्रिटिकल थिंकिंग की क्षमता होगी, तभी वे एआई द्वारा दी गई जानकारी का सही और सकारात्मक उपयोग कर पाएंगे। बताया कि आलोचनात्मक चिंतन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता दोनों ही आधुनिक समाज के दो महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। उन्होंने समाज में प्रगति,

नवाचार और बेहतर निर्णय लेने के लिए एआई के साथ-साथ सोच को भी विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि तकनीक को अपनाए बिना 'विकसित भारत 2047' की कल्पना अधूरी है। समय के साथ तकनीक को अपनाना और खुद में बदलाव लाना बेहद जरूरी है। इस दौरान उन्होंने एआई से जुड़ी प्रमुख चुनौतियों और उनके समाधानों पर भी विस्तार से चर्चा की।





सच की अहमियत

कानपुर | रविवार, 31 मई 2026 | कानपुर, लखनऊ, उत्तराखंड से एक साथ प्रकाशित

सूचना प्रसारण मंत्रालय एवं भारत सरकार द्वारा रजिस्टर्ड

खरीफ सब्जी उत्पादन से बढ़ेगी किसानों की आय, कृषि विज्ञान केंद्र ने दिया व्यावहारिक प्रशिक्षण

सच की अहमियत कानपुर- चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र, दिलीप नगर द्वारा विकासखंड मैथा के ग्राम औरंगाबाद में किसानों एवं ग्रामीण युवाओं के लिए सब्जी उत्पादन तकनीक विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में खरीफ मौसम की सब्जियों की वैज्ञानिक खेती, रोग एवं कीट प्रबंधन तथा कृषि आधारित स्वरोजगार के अवसरों पर विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अरुण कुमार सिंह ने किसानों को कृषि, बागवानी, पशुपालन, मत्स्य पालन, मशरूम एवं मधुमक्खी पालन जैसे क्षेत्रों में आय बढ़ाने की संभावनाओं से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि जलवायु अनुकूल कृषि तकनीकों को अपनाकर किसान उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने के साथ-साथ स्वरोजगार के माध्यम से अपनी पारिवारिक आय में भी वृद्धि कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि खरीफ सीजन में भिंडी, मिर्च, लौकी, तरोई, लोबिया, धनिया और सहजन जैसी सब्जियों की खेती किसानों के लिए लाभकारी साबित हो सकती है। प्रशिक्षण के दौरान इन फसलों की उन्नत खेती तकनीकों की जानकारी भी दी गई। प्रसार वैज्ञानिक डॉ. राजेश राय ने हरे चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए लोबिया और बाजरा की खेती को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताई। उन्होंने सब्जी फसलों में रोग एवं कीट नियंत्रण के लिए नीम तेल का 10 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से प्रत्येक 10 दिन के अंतराल पर छिड़काव करने की सलाह दी। कार्यक्रम में भिंडी, लोबिया, तरोई, लौकी, कद्दू और करेला सहित विभिन्न सब्जियों की आधुनिक उत्पादन तकनीकों के साथ-साथ खरीफ दलहनी फसलें मूंग और उड़द की खेती संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां भी साझा की गईं। प्रशिक्षण में प्रगतिशील किसान चरण सिंह यादव, अशोक राजपूत, सिपाहीलाल, महासिंह सहित क्षेत्र के अनेक किसान एवं ग्रामीण युवक-युवतियां उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़कर उनकी आय और रोजगार के अवसरों में वृद्धि करना था।



राष्ट्रीय स्वरूप

सब्जी उत्पादन तकनीक पर किसानों को दी ट्रेनिंग

खेती की नई तकनीकी के बारे में जानकारी दी

कानपुर । सीएसए के अधीन संचालित दिलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा सब्जी उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण का आयोजन ग्राम औरंगाबाद विकासखंड मैथा में किया गया। डॉ अरुण कुमार सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों को कृषि वागवानी, सब्जी उत्पादन, पशुपालन, मत्स्य पालन, मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन आदि क्षेत्रों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि



प्राकृतिक और मानव निर्मित संसाधनों के निरन्तर प्रबन्धन के साथ कृषि उत्पादन और उत्पादकता में बृद्धि करने वाली जलवायु अनुकूल कृषि प्रौद्योगिकियों के माध्यम से बेरोजगार कृषि आधारित स्वरोजगार से जोड़कर पारिवारिक आय में बृद्धि कर सकते हैं। खरीफ के मौसम में उत्पादित की जाने वाली सब्जियों भिण्डी, मिर्चा, लौकी, तरोई, लोविया, धनिया, सहजन आदि की खेती करने का प्रशिक्षण प्राप्त कर किसान और बेरोजगार इसे अपनाकर अतिरिक्त आय के साथ रोजगार भी पा सकते। प्रसार वैज्ञानिक डॉ राजेश राय ने हरा चारा उत्पादन हेतु लोविया एवं बाजरा की खेती करने पर जोर दिया। डॉ राय ने सब्जियों में लगने वाले प्रमुख रोगों एवं कीटों से बचाव के लिए नीम तेल 10 मिली./ली0 पानी की दर से 10 दिन के अन्तराल पर छिडकाव करने का सुझाव दिया। सब्जियों भिण्डी, लोविया, तरोई, लौकी, कद्दू, करेला आदि की खेती की नवीनतम तकनीकों, खरीफ में दलहनी फसल मूंग, उर्द की खेती के बारे में जानकारी दी। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रगतिशील किसान चरण सिंह यादव, अशोक राजपूत, सिपाहीलाल एवं महासिंह आदि ने प्रतिभाग किया।



विश्ववार्ता

सच्ची खबर, पैनी नज़र

क्रिटिकल थिंकिंग इन एआई टेक्नोलॉजी पर विशेषज्ञों की ओर से दी गई पूरी जानकारी

कानपुर। चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के कुलपति डा. संजीव गुप्ता के निर्देशन में कृषि अभियंत्रण संकाय, इटावा के पूर्व अधिष्ठाता एवं कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष डॉ.



एन. के. शर्मा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रति एक वृहद जागरूकता अभियान चला रहे हैं। इसी क्रम में इटावा के सीबीएसई सिटी कोऑर्डिनेटर डॉ. कैलाश यादव के निमंत्रण पर डॉ. शर्मा मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में पुलिस मॉडर्न स्कूल पहुंचे। वहाँ उन्होंने स्कूल के शिक्षकों को 'क्रिटिकल थिंकिंग इन एआई टेक्नोलॉजी' ए आई तकनीक में आलोचनात्मक चिंतन विषय पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। अपने संबोधन में डॉ. शर्मा ने शिक्षकों को एआई के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया। उन्होंने 'आलोचनात्मक चिंतन' के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षकों को एआई के माध्यम से प्राप्त होने वाली किसी भी सूचना की सत्यता और उपयोगिता का मूल्यांकन स्वयं करना चाहिए।

राष्ट्रीय स्वरूप

एआई के प्रचार-प्रसार में कृषि विश्वविद्यालय की भूमिका

कानपुर । सीएसए के कुलपति डॉक्टर संजीव गुप्ता के निर्देशन में कृषि अभियंत्रण संकाय, इटावा के पूर्व अधिष्ठाता एवं कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष डॉक्टर एन. के. शर्मा द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रति एक वृहद जागरूकता अभियान



चलाया जा रहा है। इसी क्रम में इटावा के सीबीएसई सिटी कोऑर्डिनेटर डॉक्टर कैलाश यादव के निमंत्रण पर डॉक्टर शर्मा मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में पुलिस मॉडर्न स्कूल पहुंचे। वहाँ उन्होंने स्कूल के शिक्षकों को %क्रिटिकल थिंकिंग इन एआई

टेक्नोलॉजी% ए आई तकनीक में आलोचनात्मक चिंतन विषय पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। अपने संबोधन में डॉ. शर्मा ने शिक्षकों को एआई के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया। उन्होंने %आलोचनात्मक चिंतन% के महत्व पर जोर देते हुए कहा- शिक्षकों को दुहू के माध्यम से प्राप्त होने वाली किसी भी सूचना की सत्यता और उपयोगिता का मूल्यांकन स्वयं करना चाहिए। यदि हमारे शिक्षकों में क्रिटिकल थिंकिंग की क्षमता होगी, तभी वे एआई द्वारा दी गई जानकारी का सही और सकारात्मक उपयोग कर पाएंगे। डॉ. शर्मा ने अपने प्रस्तुतीकरण के जरिए बताया कि आलोचनात्मक चिंतन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता दोनों ही आधुनिक समाज के दो महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। उन्होंने समाज में प्रगति, नवाचार और बेहतर निर्णय लेने के लिए एआई के साथ-साथ सोच को भी विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। संबोधन के अंत में उन्होंने कहा कि तकनीक को अपनाए बिना 'विकसित भारत 2047' की कल्पना अधूरी है। समय के साथ तकनीक को अपनाना और खुद में बदलाव लाना बेहद जरूरी है। इस दौरान उन्होंने एआई से जुड़ी प्रमुख चुनौतियों और उनके समाधानों पर भी विस्तार से चर्चा की।